an>

Title :Need to accord approval to the proposal of D.P.R. pertaining to a project for regular and adequate water supply to Jaisamand lake in Udaipur Parliamentary Constituency, Rajasthan.

श्री अर्जुन लाल मीणा (उदयपुर) ः मैं सरकार का ध्यान उदयपुर लोकसभा क्षेत्र में स्थित एशिया की सबसे बड़ी झील जयसमन्द झील की तरफ दिलाना चाहता हूँ। किसी जमाने में पानी से भरपूर भरी रहने वाली जयसमन्द झील आज कई अवरोधों व बहाव क्षेत्र में निर्मित छोटे-छोटे एनीकटों के बन जाने के कारण पानी से पूरी तरह भर नहीं पा रही है। जयसमन्द झील के नीचे व केचमैंट क्षेत्र में कई ग्रामों के परिवारों की आय सिर्फ कृषि कार्यों पर निर्भर है। उनका जीवन-यापन जयसमन्द झील की सिंचाई पर ही निर्भर है, लेकिन कई बार झील खाली रहने पर उनको हमेशा सिंचाई से वंचित रहना पड़ता है।

उदयपुर विश्व पर्यटन मानचित्र पर भी अपना विशेष स्थान रखता है। प्रतिवर्ष हजारों देशी-विदेशी पर्यटक इस जयसमन्द झील को देखने आते हैं, परंतु पानी से खाली झील को देखकर उनको मायूस होकर लौटना पड़ता है।

जयसमन्द झील को सिंचाई व पर्यटकों हेतु सदैव पानी से भरी रखने के लिए राजस्थान सरकार ने एक डी.पी.आर. भारत सरकार को भिजवाई है, जिसमें मुख्यतः जाखम, अनास व माही नदी से व्यर्थ बहकर जाने वाले पानी को नागलिया पिकअप वियर व सुरंग एवं खुली नहर के द्वारा गुरूत्व प्रवाह से जयसमन्द झील में डाला जाएगा और यह योजना चार चरणों में पूरी होगी तथा इसके लिए लगभग 963.00 करोड़ रूपए की लागत आएगी।

अतः मैं भारत सरकार से माँग करता हूं कि अतिशीघ्र राजस्थान सरकार द्वारा भेजे गये डी.पी.आर. प्रस्ताव को मंजूर कर लगभग 963.00 करोड़ रूपए की धनराशि मुहैया कराने का कष्ट करें। जिससे जयसमन्द झील को हमेशा पानी से भरा जा सके और झील के आस-पास निवासरत ग्रामों के कृषकों और झील देखने आने वाले पर्यटकों को अतिशीघ्र लाभ मिल सके।